

वाणिज्य व लेखाविधि / COMMERCE AND ACCOUNTANCY

प्रश्न-पत्र I / Paper I

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

यदि आवश्यक हो, तो उपयुक्त आँकड़ों का चयन कीजिए, तथा उनको स्पष्टतया निर्दिष्ट कीजिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Assume suitable data, if considered necessary, and indicate the same clearly.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each :

(10×5=50)

- (a) लेखाकरण मानक-7 (ए एस-7) के महत्व को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Briefly explain the significance of Accounting Standard-7 (AS-7).

10

- (b) स्पष्ट कीजिए कि किन कारणों से कंपनियाँ राइट शेयर निर्गमित करती हैं। राइट शेयर, बोनस शेयरों से किस प्रकार भिन्न होते हैं?

Explain why the companies issue right shares. How are right shares different from bonus shares ?

10

- (c) भारत में बैंकिंग कंपनी की लेखापरीक्षा के मुख्य पहलुओं की विवेचना कीजिए।

Discuss the main aspects of audit of a banking company in India.

10

- (d) भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार मकान सम्पत्ति से आय के अंतर्गत उचित किराया और वार्षिक किराया को परिभाषित कीजिए। इसे एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

Define fair rent and annual rent under income from house property as per Indian Income Tax Act, 1961. Explain it with an example.

10

- (e) जॉब लागत (कॉस्टिंग) क्या है? यह प्रक्रिया लागत (प्रोसेस कॉस्टिंग) से किस प्रकार भिन्न है? समझाइए।

What is job costing? How is it different from process costing? Explain.

10

Q2. (a) A लिमिटेड ने B लिमिटेड के व्यवसाय का अधिग्रहण किया है, जिसका तुलन-पत्र 31 मार्च, 2024 को इस प्रकार है :

विवरण	(₹)	(₹)
I – ईक्विटी एवं देयताएँ :		
1. शेयरधारक निधियाँ		
(a) ईक्विटी शेयर पूँजी (₹ 100 प्रति) 6% अधिमान शेयर पूँजी (₹ 100 प्रति)	16,00,000 8,00,000	24,00,000
(b) आरक्षितियाँ एवं अधिशेष पूँजीगत संचय लाभ व हानि खाता कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय (अपेक्षित देयता ₹ 10,000)	2,00,000 1,00,000 16,000	3,16,000
2. अप्रचलित देयताएँ		
6% ऋणपत्र (डिबेंचर्स)		4,00,000
3. चालू देयताएँ		
व्यापारिक देय अन्य चालू देयताएँ (ऋणपत्रों (डिबेंचर्स) पर देय ब्याज)	2,40,000 24,000	2,64,000
कुल		33,80,000
II – परिसम्पत्तियाँ :		
1. अप्रचलित परिसम्पत्तियाँ		
(a) सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण भूमि और भवन संयंत्र एवं मशीनरी	8,00,000 12,00,000	20,00,000
(b) अमूर्त परिसम्पत्तियाँ साख (ख्याति) पेटेंट	4,80,000 1,00,000	5,80,000
2. चालू परिसम्पत्तियाँ		
(a) स्टॉक	3,00,000	
(b) व्यापार प्राप्तियाँ	3,60,000	
(c) नकदी व नकदी समान	1,40,000	8,00,000
कुल		33,80,000

A लिमिटेड को सभी परिसम्पत्तियों (नकदी को छोड़कर) और देयताओं (ऋणपत्रों पर देय ब्याज को छोड़कर) को अपने अधीन करना है और निम्नलिखित राशियों का भुगतान करने का अधिकार दिया गया है :

- (i) ₹ 4,00,000, 7% ऋणपत्रों (प्रत्येक ₹ 100), जो A लिमिटेड में हैं, उन्हें B लिमिटेड में मौजूदा ऋणपत्रों के लिए; इस प्रयोजन के लिए, A लिमिटेड के प्रत्येक ऋणपत्र का मूल्य ₹ 105 प्रति माना जाएगा।
- (ii) B लिमिटेड में प्रत्येक अधिमान शेयर के लिए ₹ 10 प्रति शेयर नकदी तथा A लिमिटेड में 9% अधिमान शेयर ₹ 100 प्रति शेयर दिया जाएगा।
- (iii) B लिमिटेड में प्रत्येक ईक्विटी शेयर के लिए ₹ 20 प्रति शेयर नकद तथा A लिमिटेड में एक ईक्विटी शेयर ₹ 100 का, जिसका बाज़ार मूल्य ₹ 140 है, दिया जाएगा।
- (iv) B लिमिटेड के परिसमापन के खर्चों की पूर्ति A लिमिटेड द्वारा ₹ 20,000 तक की सीमा तक की जाएगी, जबकि वास्तविक खर्चों की राशि ₹ 25,000 है।

A लिमिटेड ने समामेलन के उद्देश्य से, B लिमिटेड की भूमि व भवन का मूल्य ₹ 11,00,000, संयंत्र व मशीनरी का मूल्य ₹ 13,00,000 तथा पेटेंट का मूल्य ₹ 40,000 आँका है।

A लिमिटेड तथा B लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

A Ltd. has acquired the business of B Ltd., whose Balance Sheet as at 31st March, 2024 is as under :

Particulars	(₹)	(₹)
I – Equity and Liabilities :		
1. Shareholders' Funds		
(a) Equity Share Capital (₹ 100 each)	16,00,000	
6% Preference Share Capital (₹ 100 each)	8,00,000	24,00,000
(b) Reserves and Surplus		
Capital Reserve	2,00,000	
Profit and Loss Account	1,00,000	
Workmen Compensation Reserve (expected liability ₹ 10,000)	16,000	3,16,000
2. Non-Current Liabilities		
6% Debentures		4,00,000
3. Current Liabilities		
Trade Payables	2,40,000	
Other Current Liabilities (Interest payable on debentures)	24,000	2,64,000
Total		33,80,000
II – Assets :		
1. Non-Current Assets		
(a) Property, Plant and Equipment		
Land and Building	8,00,000	
Plant and Machinery	12,00,000	20,00,000
(b) Intangible Assets		
Goodwill	4,80,000	
Patents	1,00,000	5,80,000
2. Current Assets		
(a) Inventories	3,00,000	
(b) Trade receivables	3,60,000	
(c) Cash and Cash equivalents	1,40,000	8,00,000
Total		33,80,000

A Ltd. was to take over all assets (except cash) and liabilities (except for interest due on debentures) and to pay the following amounts :

- (i) ₹ 4,00,000, 7% Debentures (₹ 100 each) in A Ltd. for the existing debentures in B Ltd.; for the purpose, each debenture of A Ltd. is to be treated as worth ₹ 105.
- (ii) For each preference share in B Ltd. ₹ 10 in cash and 9% preference shares of ₹ 100 each in A Ltd.
- (iii) For each equity share in B Ltd. ₹ 20 in cash and one equity share in A Ltd. of ₹ 100 each having market value of ₹ 140.
- (iv) Expenses of liquidation of B Ltd. are to be reimbursed by A Ltd. to the extent of ₹ 20,000. Actual expenses amounted to ₹ 25,000.

A Ltd. valued Land and Building at ₹ 11,00,000, Plant and Machinery at ₹ 13,00,000 and Patents at ₹ 40,000 of B Ltd. for the purpose of amalgamation.

Pass necessary journal entries in the books of A Ltd. and B Ltd.

20

(b) A लिमिटेड 31 मार्च, 2024 को निम्नलिखित तुलन-पत्र प्रस्तुत करती है :

विवरण	₹ (हजार में)	₹ (हजार में)
I - ईक्विटी एवं देयताएँ :		
1. शेयरधारक निधियाँ		
(a) शेयर पूँजी		
₹ 10 प्रति शेयर के 6,00,000 ईक्विटी शेयर, जो पूर्ण भुगतान हो चुके हैं ₹ 100 प्रति शेयर वाले, 40,000, 9% अधिमान शेयर	6,000 4,000	10,000
(b) आरक्षितियाँ तथा अधिशेष		
पूँजीगत आरक्षिति राजस्व आरक्षिति प्रतिभूति प्रीमियम लाभ व हानि खाता	20 8,000 1,000 3,600	12,620
2. अप्रचलित देयताएँ		
10% ऋणपत्र		800
3. चालू देयताएँ		
व्यापारिक देय		80
कुल		23,500
II - परिसम्पत्तियाँ :		
1. अप्रचलित परिसम्पत्तियाँ		
(a) सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (b) अप्रचलित निवेश (लागत पर)	5,500 10,000	15,500
2. चालू परिसम्पत्तियाँ		
(a) स्टॉक (b) व्यापार प्राप्तियाँ (c) नकदी व नकदी समान	2,000 4,000 2,000	8,000
कुल		23,500

कंपनी ने ₹ 15 प्रति शेयर की दर से अपने ईक्विटी पूँजी के 20% शेयर वापस खरीदने का प्रस्ताव पारित किया। इस उद्देश्य के लिए, कंपनी ने अपने ₹ 60 लाख के निवेश को ₹ 50 लाख में बेच दिया।

A लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए तथा शेयरों की पुनर्खरीद के बाद तुलन-पत्र तैयार कीजिए।

A Ltd. furnishes the following Balance Sheet as at 31st March, 2024 :

Particulars	₹ (in 000)	₹ (in 000)
I – Equity and Liabilities :		
1. Shareholders' Funds		
(a) Share Capital		
6,00,000 Equity shares of ₹ 10 each fully paid up	6,000	
40,000, 9% Preference shares of ₹ 100 each	4,000	10,000
(b) Reserves and Surplus		
Capital Reserve	20	
Revenue Reserve	8,000	
Securities Premium	1,000	
Profit and Loss Account	3,600	12,620
2. Non-Current Liabilities		
10% Debentures		800
3. Current Liabilities		
Trade Payables		80
Total		23,500
II – Assets :		
1. Non-Current Assets		
(a) Property, Plant and Equipment	5,500	
(b) Non-Current Investments (at cost)	10,000	15,500
2. Current Assets		
(a) Inventories	2,000	
(b) Trade receivables	4,000	
(c) Cash and Cash equivalents	2,000	8,000
Total		23,500

The company passed a resolution to buy back 20% of its equity capital @ ₹ 15 per share. For this purpose, it sold its investments of ₹ 60 lakhs for ₹ 50 lakhs.

You are required to pass necessary journal entries in the books of A Ltd. and prepare Balance Sheet after buyback of shares.

(c) (i) भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत अल्पकालिक और दीर्घकालिक पूँजीगत लाभ के अभिकलन की विधियों का उल्लेख कीजिए।

State the methods of computation of Short-term and Long-term capital gains under Indian Income Tax Act, 1961.

(ii) भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 50 के अंतर्गत मूल्यहास-योग्य परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण के मामले में पूँजीगत लाभ के नियमों का उल्लेख कीजिए।

State the rules of capital gains in case of transfer of depreciable assets under Section 50 of the Indian Income Tax Act, 1961.

15

Q3. (a) मई 2024 के महीने के दौरान, कुल 2000 इकाइयों को प्रक्रिया-I में डाला गया। सामान्य हानि निविष्टि का 5% अनुमानित किया गया। महीने के अन्त में, 1400 इकाइयों का उत्पादन किया गया और उन्हें अगली प्रक्रिया में अंतरण किया गया, जिनमें से 460 इकाइयाँ अधूरी थीं और 140 इकाइयों को निकाल (स्क्रैप) दिया गया। यह अनुमान था कि अधूरी इकाइयाँ, उत्पादन के निम्नलिखित स्तर तक पहुँची थीं :

सामग्री 75% पूरा हो गया

श्रम 50% पूरा हो गया

उपरिव्यय 50% पूरा हो गया

पेश की गई 2000 इकाइयों की लागत ₹ 5,800 थी। प्रक्रिया के दौरान पेश की गई प्रत्यक्ष सामग्री की राशि ₹ 1,440 थी। उत्पादन उपरिव्यय ₹ 1,670 तथा प्रत्यक्ष श्रम ₹ 3,340 था। प्रत्येक निकाली गई (स्क्रैप) इकाई पर ₹ 1 प्रति इकाई वसूल किया गया। निकाली गई (स्क्रैप) इकाइयाँ, प्रक्रिया से गुजर चुकी थीं, इसलिए सामग्री, श्रम और उपरिव्यय के संबंध में 100% कार्य पूरा कर लिया गया था।

आपको निम्नलिखित विवरण तैयार करने को कहा गया है :

- (i) समतुल्य उत्पादन का विवरण;
- (ii) लागत और मूल्यांकन का विवरण;
- (iii) प्रक्रिया-I खाता; और
- (iv) असामान्य हानि खाता।

During the month of May 2024, total 2000 units were introduced into Process-I. The normal loss was estimated at 5% on input. At the end of the month, 1400 units had been produced and transferred to the next process, 460 units were incomplete and 140 units had been scrapped. It was estimated that incomplete units had reached a stage in production as follows :

Material 75% completed
 Labour 50% completed
 Overheads 50% completed

The cost of 2000 units introduced was ₹ 5,800. Direct material introduced during the process amounted to ₹ 1,440. Production Overheads incurred were ₹ 1,670 and Direct Labour was ₹ 3,340. Each unit scrapped was realized at ₹ 1 each unit. The units scrapped have passed through the process, so were 100% completed as regards material, labour and overheads.

You are requested to prepare the following statements :

- (i) Statement of Equivalent Production;
- (ii) Statement of Cost and Evaluation;
- (iii) Process-I Account; and
- (iv) Abnormal Loss Account.

20

(b) “लागत लेखांकन दरदर्शिता की एक प्रणाली है न कि शवपरीक्षा (पोस्ट-मोर्टम), यह घाटे को मुनाफे में बदल देती है, गतिविधियों को गति देती है और अपशिष्ट को खत्म करती है।” अपने दृष्टिकोण के साथ इस कथन को समझाइए।

“Cost Accounting is a system of foresight and not a post-mortem, it turns losses into profits, speeds up activities and eliminates waste.” Explain the statement along with your viewpoints.

15

(c) विशेष लेखापरीक्षा एवं लेखा जाँच में प्रमुख अंतर क्या हैं? उदाहरणों सहित अपना दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

What are the key differences between Special Audit and Accounts Investigation? Give your viewpoint along with examples.

15

Q4. (a) श्रीमती Y (वाई) (59 वर्ष) को गत वर्ष 2023 – 24 के दौरान मूल वेतन के रूप में ₹ 7,90,000 और बोनस के रूप में ₹ 1,18,000 मिले हैं। इसके अलावा, महँगाई भत्ते के तौर पर (जो वेतन का हिस्सा है) ₹ 52,000 तथा उनके द्वारा हासिल कारोबार (टर्नओवर) पर 4 प्रतिशत कमीशन भी मिला है। वर्ष के दौरान, उन्होंने ₹ 90 लाख का कारोबार (टर्नओवर) हासिल किया है। नियोक्ता मान्यता प्राप्त भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड) में ₹ 2,24,240 का योगदान देता है। 30 नवम्बर, 2023 को, 10 प्रतिशत की दर से, भविष्य निधि में ₹ 40,000 ब्याज के तौर पर जमा किया गया है। उन्हें ₹ 450 प्रति माह (बेटी के लिए) और ₹ 80 प्रति माह (बेटे के लिए) बाल शिक्षा भत्ता भी मिलता है। दोनों बच्चों के लिए शिक्षा की लागत लगभग ₹ 1,80,000 है (जिसमें ₹ 1,10,000 श्रीमती Y (वाई) द्वारा भुगतान की जाने वाली दृयूशन फीस है)। नियोक्ता कंपनी उन्हें

आधिकारिक और निजी उद्देश्य के लिए 1800 सीसी की कार उपलब्ध कराती है और कार का संचालन एवं रखरखाव का पूरा व्यय कंपनी वहन करती है। लॉग बुक के अनुसार, कार का निजी उपयोग लगभग 65 प्रतिशत है। 1 नवम्बर, 2023, से उन्हें ड्राइवर मिल गया, जिसे कंपनी ₹ 6,000 प्रति माह भुगतान करती है। उनकी मकान सम्पत्ति से आय ₹ 1,65,000 है।

वर्ष पर्यन्त, वह निम्नलिखित योगदान और निवेश करती है :

- (i) भविष्य निधि में अपना योगदान ₹ 3,36,360।
- (ii) अपने जीवन बीमा प्रीमियम पर ₹ 9,000 (बीमित राशि ₹ 80,000, जिसकी पॉलिसी दिसम्बर 2018 में ली गई थी)।
- (iii) एन एस सी VIII में किया गया योगदान ₹ 11,000।
- (iv) वयस्क बेटे के जीवन बीमा प्रीमियम पर (जो उन पर आश्रित नहीं है) ₹ 4,000 का योगदान (बीमित राशि ₹ 1,00,000 है)।
- (v) उनकी माताजी (जो 80 वर्ष की हैं) जो उन पर आश्रित हैं, के जीवन बीमा प्रीमियम पर ₹ 2,000 योगदान किया है।
- (vi) मकान सम्पत्ति खरीदने के लिए, लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान ₹ 21,000 किया है।

नियमित कर व्यवस्था के तहत आकलन वर्ष 2024 – 25 के लिए श्रीमती Y (वाई) की कर-योग्य आय का निर्धारण कीजिए। साथ ही धारा 80 सी के तहत आने वाली सकल योग्य राशि की गणना कीजिए।

Mrs. Y (59 years) receives ₹ 7,90,000 as basic pay and ₹ 1,18,000 as bonus during the previous year 2023 – 24. Besides, she gets ₹ 52,000 as Dearness Allowance (forming part of salary) and 4 percent commission on turnover achieved by her. During the year, turnover achieved by her is ₹ 90 lakh. The employer contributes ₹ 2,24,240 towards recognised provident fund. The amount of interest credited to provident fund on 30 November, 2023 at the rate of 10 percent comes to ₹ 40,000. She also gets child education allowance of ₹ 450 per month (for daughter) and ₹ 80 per month (for son). Cost of education is approximately ₹ 1,80,000 for two children (out of which ₹ 1,10,000 is tuition fees paid by Mrs. Y). The employer company provides 1800 cc car to her for official and private purpose and incurs the entire expenditure on running and maintenance of the car. Personal use of the car as per log book is approximately 65 percent. With effect from 1 November, 2023, she gets a driver to whom the company pays ₹ 6,000 per month. Her income from house property is ₹ 1,65,000.

During the year she makes the following contributions and investments :

- (i) Own contribution towards provident fund ₹ 3,36,360.

- (ii) Insurance premium on own life ₹ 9,000 (sum assured ₹ 80,000, policy taken in December 2018).
- (iii) Contribution towards NSC VIII issue ₹ 11,000.
- (iv) Insurance premium on the life of major son (not dependent on her) ₹ 4,000 (sum assured ₹ 1,00,000).
- (v) Insurance premium on the life of her mother (age 80 years) dependent on her ₹ 2,000.
- (vi) Repayment of loan taken to purchase house property ₹ 21,000.

Determine the taxable income of Mrs. Y for the assessment year 2024 – 25 under regular tax regime. Also calculate Gross Qualifying amount under Section 80 C. 20

- (b) भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार, अतिरिक्त मूल्यहास का लाभ उठाने के लिए कौन-सी शर्तें आवश्यक हैं ? एक विस्तृत उदाहरण द्वारा इसे समझाइए।

What are the conditions required for availing of additional depreciation as per the Indian Income Tax Act, 1961 ? Explain with a detailed example. 15

- (c) गैर-लाभकारी संगठनों के सुचारू और प्रभावी लेखापरीक्षा के लिए महत्वपूर्ण चेकलिस्ट बिन्दुओं की विस्तार से विवेचना कीजिए। यह आधुनिक युग के व्यावसायिक संगठनों की लेखापरीक्षा से कैसे भिन्न होती है ?

Discuss in detail the important checklist points for a smooth and effective audit of non-profit making organisations. How is it different from the audit of modern day business organisations ? 15

खण्ड B

SECTION B

Q5. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about 150 words each : (10×5=50)

- (a) निगमित (कॉर्पोरेट) पुर्नार्थन को परिभाषित कीजिए। विलय और अधिग्रहण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

Define corporate restructuring. Differentiate between mergers and acquisitions. Also give suitable examples. 10

- (b) मुद्रा बाज़ार एवं पैंची बाज़ार के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। मुद्रा बाज़ार के लिए आर बी आई नीति की वर्तमान स्थिति को समझाइए।

Distinguish between money market and capital market. Explain the present state of RBI policy for the money market. 10

- (c) वित्तीय प्रबंधन के उद्देश्यों की विवेचना कीजिए। धन-अधिकतमीकरण क्यों पसंदीदा उद्देश्य है ?

Discuss the objectives of financial management. Why is wealth-maximization the preferred objective ? 10

(d) “भारतीय पूँजी बाज़ार, सेबी के पर्यवेक्षण में, सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित हैं।” इस कथन की व्याख्या कीजिए।

“Indian capital markets are sound and well-structured under SEBI’s supervision.” Explain this statement.

10

(e) “वित्तीय प्रबंधन में निवेश संबंधी निर्णय वित्तपोषण और वितरण संबंधी निर्णयों से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।” इस कथन की विवेचना कीजिए।

“Investment decisions are more important than financing and distribution decisions in financial management.” Discuss this statement.

10

Q6. (a) छह वर्ष पूर्व, ₹ 3,00,000 में एक मशीन खरीदी गई। इसे ₹ 1,80,000 के पुस्तक मूल्य तक हासित किया गया है। बिना किसी अवशेष मूल्य के, इसका आर्थिक जीवन 15 वर्ष था। यदि इस मशीन को ₹ 4,50,000 लागत की नई मशीन से पुनर्स्थापित किया जाता है, तो अगले 10 वर्षों के लिए संचालन लागत को ₹ 60,000 से कम किया जा सकता है। पुरानी मशीन को भी ₹ 10,000 में बेचा जा सकेगा। पूँजी की लागत 10% है। नई मशीन को आठ वर्ष के जीवन काल में ₹ 50,000 के अवशेष मूल्य के साथ सीधी रेखा आधार पर हासित किया जाएगा।

मान लिया जाए, कंपनी की कर दर 55% है और NPV (एन पी वी) विधि का प्रयोग करते हुए बताइए कि पुरानी मशीन पुनर्स्थापित होनी चाहिए या नहीं।

वर्तमान मूल्य कारक 10% पर निम्नलिखित है :

वर्ष	1	2	3	4	5	6	7	8
वर्तमान मूल्य कारक	0·909	0·826	0·751	0·683	0·621	0·564	0·513	0·467

Six years ago, a machine was purchased for ₹ 3,00,000. It has been depreciated to a book value of ₹ 1,80,000. Its economic life was 15 years with no salvage value. If this machine is replaced by a new machine costing ₹ 4,50,000, the operating cost would be reduced by ₹ 60,000 for the next 10 years. The old machine could also be sold for ₹ 10,000. The cost of capital is 10%. The new machine will be depreciated on straight line basis over eight years life with ₹ 50,000 as salvage value.

Assuming the company’s tax rate to be 55% and using the NPV method, state whether the old machine should be replaced or not.

The present value factor at 10% is as follows :

20

Year	1	2	3	4	5	6	7	8
PVF	0·909	0·826	0·751	0·683	0·621	0·564	0·513	0·467

- (b) वित्तीय निर्णयों में जोखिम-प्रत्याय के बीच संतुलन स्थापना (रिस्क-रिटर्न ट्रेड-ऑफ) की विवेचना कीजिए। उदाहरण दीजिए।

Discuss the risk-return trade-off in financial decisions. Give examples. 15

- (c) आप संयुक्त उत्तोलक (लिवरेज) की मात्रा का मापन कैसे करेंगे? साथ ही संयुक्त उत्तोलक (लिवरेज) के प्रभावों का उपयुक्त उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

How will you measure the degree of combined leverage? Also describe the effects of combined leverage along with suitable examples. 15

- Q7.** (a) एक कंपनी के संचालक मण्डल ने उत्पादन की 15,600 इकाइयों के कार्य-स्तर के लिए कार्यशील पूँजी के अनुमान का विवरण तैयार करने का अनुरोध किया है। निम्नलिखित सूचनाएँ गणना हेतु उपलब्ध हैं:

(अ) प्रति इकाई लागत व विक्रय मूल्य:

कच्चा माल	₹ 90
श्रम	₹ 40
उपरिव्यय	₹ 75
	₹ 205
लाभ	₹ 60
विक्रय मूल्य	₹ 265

- (ब) (i) कच्चा माल औसतन एक माह हेतु स्टॉक में रहता है।
(ii) कच्चा माल निर्माणावस्था में औसतन दो सप्ताह रहता है।
(iii) तैयार माल औसतन एक माह हेतु स्टॉक में रहता है।
(iv) आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रदत्त साख एक माह की है।
(v) देनदारों को दी गई साख दो माह की है।
(vi) मजदूरी भुगतान में विलम्ब $1\frac{1}{2}$ सप्ताह का है।
(vii) उपरिव्यय के भुगतान में विलम्ब एक माह का है।

उत्पादन का 20% नकद बेचा जाता है। हस्तगत रोकड़ ₹ 60,000 अनुमानित है। यह माना जाता है कि उत्पादन वर्ष पर्यन्त समान रूप से चलता है, मजदूरी व उपरिव्यय भी उसी प्रकार से देय होते हैं और 4 सप्ताह, एक माह के बराबर है।

The Board of Directors of a company asks to prepare a statement showing working capital estimates for a level of activity of 15,600 units of production. The following information is available for calculation :

(A) Per Unit Cost and Selling Price :

Raw materials	₹ 90
Labour	₹ 40
Overheads	₹ 75
	₹ 205
Profit	₹ 60
Selling Price	₹ 265

- (B) (i) Raw materials are in stock on an average for one month.
(ii) Raw materials are in process on an average for two weeks.
(iii) Finished goods are in stock on an average for one month.
(iv) Credit allowed by suppliers – one month.
(v) Credit allowed to debtors – two months.
(vi) Lag in payment of wages – $1\frac{1}{2}$ weeks.
(vii) Lag in payment of overheads is one month.

20% of the production is sold against cash. Cash in hand is expected to be ₹ 60,000. It is to be assumed that production is carried on evenly, throughout the year, wages and overheads accrue similarly and the time period of 4 weeks is equivalent to one month.

20

- (b) एक कंपनी की कुल आय ₹ 1,00,000 है। कंपनी के पूँजी ढाँचे में ऋण तथा ईक्विटी दोनों हैं, जिसमें ऋण की राशि ₹ 4,00,000, 10% ब्याज की दर पर उधारी के रूप में है। वर्तमान में कंपनी की समता अंश पूँजी की लागत 12.50% है। कंपनी का कुल मूल्य और पूँजी की कुल लागत, शुद्ध आय उपागम के अन्तर्गत ज्ञात कीजिए। यदि ऋण को ₹ 1,00,000 से बढ़ा दिया जाए या कम कर दिया जाए, तो कंपनी के मूल्य पर और पूँजी की कुल लागत पर शुद्ध आय उपागम के अनुसार क्या प्रभाव पड़ेगा ?

A company has earnings of ₹ 1,00,000. The capital structure of the company contains debt as well as equity in which debt is of ₹ 4,00,000 borrowed at the rate of 10%. Presently, the cost of equity capital of the company is 12.50%. Find out the total value of the company and the overall cost of capital using Net Income approach. If debt is increased or reduced by ₹ 1,00,000, what will be the effect on the value of the company and on overall cost of capital as per the Net Income approach ?

15

- (c) भारतीय वित्तीय प्रणाली में अग्रणी वित्तीय बाज़ार उपकरणों तथा नूतन ऋण उपकरणों की विवेचना कीजिए। साथ ही उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

Discuss the leading financial market instruments and innovative debt instruments in the Indian financial system. Also give suitable examples.

15

- Q8.** (a) भारतीय वित्तीय प्रणाली के प्रमुख वर्गीकरण की व्याख्या कीजिए। एक आरेख बनाइए जो संपूर्ण वित्तीय प्रणाली और इसके प्रमुख अवयवों को दर्शाता है।

Explain the key classification of the Indian financial system. Make a diagram that depicts the entire financial system and its key components. 20

- (b) “आई आर डी ए के निर्देशन एवं नियंत्रण में भारत में बीमा उद्योग बहुत तेजी से बढ़ रहा है।” इस कथन के आलोक में, जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा के उभरते रुझानों की विवेचना कीजिए। साथ ही इस संबंध में सरकारी नीतिगत पहलों को समझाइए।

“The insurance industry in India is growing very fast under the direction and control of IRDA.” In the light of this statement, discuss the emerging trends in life and health insurance. Also explain the government policy initiatives in this regard.

15

- (c) एक विनिर्माण फर्म में कार्यशील पूँजी प्रबंधन को परिभाषित कीजिए। कार्यशील पूँजी के प्रमुख अवयव कौन-कौन से हैं? आधुनिक व्यावसायिक संगठनों में मालसूची प्रबंधन कैसे नकदी प्रबंधन पर महत्व रखता है?

Define working capital management in a manufacturing firm. What are the key components of working capital? How does inventory management hold importance over cash management in modern business organisations?

15